पाठ 7 आओ, पानी को समझें

रजत विद्यालय से घर आ रहा था, कि बरसात शुरू हो गई। उसने बरसात में भीगने से बचने के लिए एक पेड़ का सहारा लिया लेकिन बरसात तेज थी उसी समय उसके साथी भीगते–भीगते आ पहुँचे। वो भी अपने को रोक नहीं पाया। सभी एक साथ बरसात में नहाने लगे। सभी पानी में उछल–कूद मचा रहे थे और गाना गा रहे थे।

इन्दर राजा पानी दे।

पानी दे गुड़ धानी दे।।

चित्र 7.1 बरसात में उछल कूद करते बच्चे

दिए गए चित्र को बिंदुओं से मिलाइए और रंग भरिए

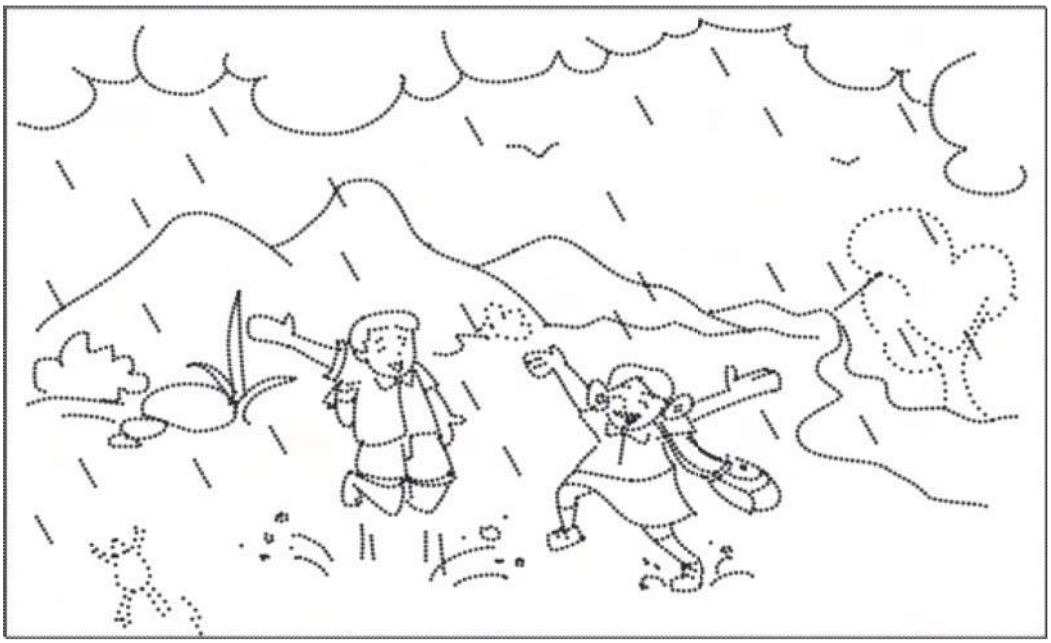

सोचिए और बताइए

- चित्र में बच्चे क्या कर रहे हैं ?
- आप बरसात आने पर क्या–क्या करते हैं ?
- आप कैसे अनुमान लगा सकते हैं कि बरसात आने वाली है?
- आपने भी रजत की तरह बरसात का आनंद लिया होगा और गीत गाए होंगे। आपके बरसात के अनुभव कक्षा में सुनाइए।
- अपने बुजुर्गों या परिवार से बरसात से संबंधित स्थानीय लोक गीत, कहानी आदि के बारे में पता कीजिए और कक्षा में सुनाइए।

बारिश के खेल

आओ बच्चों, हम कक्षा में बारिश की आवाज़ बनाने का खेल खेलते हैं। सबसे पहले एक हाथ की पहली अंगुली दूसरे हाथ की हथेली पर दस बार

जल्दी–जल्दी बजाइए, फिर दो अंगुलियों से हथेली पर यही क्रिया दोहराइए। इस प्रकार तीन और चार अंगुली से यह क्रिया लगातार दोहराइए। इस प्रकार आने वाली आवाज को ध्यान से सुनिए। आपको यह आवाज किस तरह की लगती है? लगी ना बारिश जैसी आवाज– टप–टप–टप।

सोचिए और पता कीजिए

- बरसात आने पर आपको कैसा लगता है?
- बरसात के मौसम में आपको अपने आस–पास क्या–क्या परिवर्तन दिखाई देते हैं?

देखिए और बताइए

- चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
- इंद्रधनुष के रंगों को पहचानिए।

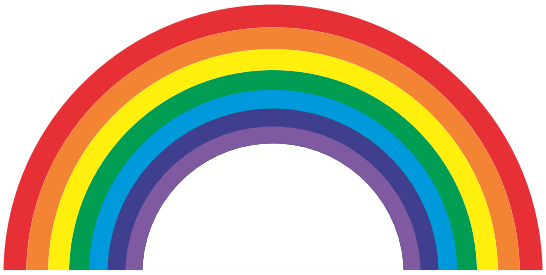

चित्र 7.2 इंद्रधनुष

- इंद्रधनुष के रंगों को नीचे से ऊपर के क्रम में भरिए।

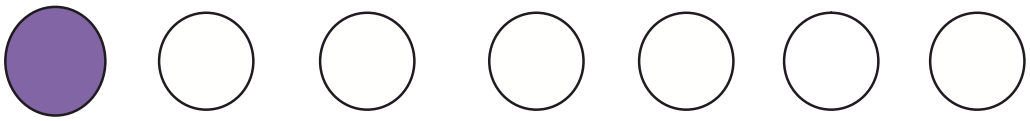

बैंगनी नीला आसमानी हरा

- बच्चो! इस बार बरसात के बाद आसमान में इंद्रधनुष बने तो देखना कि उसमें ये रंग क्या इसी क्रम में दिखाई देते हैं ?

शिक्षक निर्देश–शिक्षक इस गतिविधि को छात्रों के साथ मिल कर करें और इससे निकलने वाली ध्वनि में बरसात की आवाज का अनुभव करवाने का प्रयास करें।

आओ जाने, पानी कहाँ–कहाँ से मिलता है?

बरसात के पानी का बहुत–सा भाग नदियों, नालों में बहता हुआ समुद्रों तक जाता है। कुछ पानी भाप बनकर उड़ जाता है, कुछ पानी धरती

चित्र 7.3 जल के स्त्रोत

में समा जाता है। यही पानी, धरती के अंदर इकट्ठा होता है। इसी पानी को हम हैण्डपम्प, नलकूप या कुँओं के माध्यम से बाहर निकालकर पीने व अन्य कार्यों में उपयोग लेते हैं।

सोचिए और बताइए

- चित्र में आपको क्या दिखाई दे रहा है?
- आपके यहाँ किस स्रोत से पानी प्राप्त होता है?
- आपके घर में पीने के पानी को कैसे साफ किया जाता है?
- बच्चो! बरसात का पानी कहाँ जाता है और हमें कहाँ से मिलता है?

घरों में पानी

कुँए–बावड़ी, नल और तालाब से पानी सीधा पीने के उपयोग में नहीं लिया जाता है। पहले इसे पीने योग्य बनाने के लिए साफ किया जाता है।

चित्र 7.4 पानी का शुद्धीकरण

घरों में पानी को पीने योग्य बनाने के लिए कई तरीके काम में लिए जाते हैं जैसे– छानना, उबालना, फिटकरी द्वारा साफ करना, विभिन्न फिल्टर मशीन द्वारा साफ करना आदि। पानी सदैव छानकर भरना चाहिए। पानी लेते समय डंडीदार लोठे से निकालकर पीना चाहिए।

चित्र 7.5 (अ) पानी को छानकर भरते हुए

चित्र 7.5 (ब) पानी को डंडीदार लोठे से निकालते हुए

आजकल अधिकांश गाँवों व शहरों में पानी नल द्वारा पहुँचाया जाता है। इसके लिए नलकूप, कुँए, तालाब, झील और नदी के पानी को साफ कर मोटर पम्प से ऊँची टंकियों में चढ़ाया जाता है। वहाँ से पाइपों के द्वारा घरों तक भेजा जाता है।

आजकल पीने का पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है। वृक्षों

चित्र 7.5 टंकी द्वारा पानी की आपूर्ति

की कटाई व पानी के दुरुपयोग से पानी की कमी होती जा रही है। अतः हमें पानी की कमी को पूरा करने के लिए बारिश के पानी को संग्रहित करना चाहिए एवं वृक्ष लगाने चाहिए।

शिक्षक निर्देशः—शिक्षक विद्यार्थियों को स्थानीय जल स्त्रोतों के बारे में जानकारी देंवे एवं जल शुद्धिकरण के विभिन्न तरीकों पर चर्चा करें।

हमने सीखा

- वर्षा ऋतु में आस–पास का वातावरण हरा–भरा हो जाता है।
- वर्षा के पश्चात आसमान में सतरंगी इंद्रधनुष भी देखा जा सकता है।
- वर्षा का बहता हुआ पानी नदियों और तालाबों में पहुँचते–पहुँचते अशुद्ध हो जाता है। अतः पानी को शुद्ध करके पीना चाहिए।
- पानी को शुद्ध करने के अनेक तरीके होते हैं जैसे– छानना, उबालना, फिल्टर करना, फिटकरी से साफ करना आदि।

गढ्ढे, पोखर, नदी, तालाब, झील, सरोवर, ताल।
वर्षा ऋतु में हो जाते हैं, जल से माला–माल।।